647510 **BRS5HinE016D** **Seat No :_____**

B.R.S. Semester - 5 (Remedial) (*CBCS*) Examination
March/April-2022 (NEW COURSE)
E-16 Hindi(Elective-16)

Time: 2:30 Hours **Marks: 70**

Instructions:

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

प्रश्न.१ नहुष खंड काव्य की नायिका आप किसे मानते है? शचि अथवा उवंशी चर्चा करें। (१४)

अथवा

प्रश्न.१ नहुष खंडकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखें।

प्रश्न.२ नहुष काव्य का नायक नहुष के चरित्र की विशेषताओं के बारें में लिखें। (१४)

अथवा

प्रश्न.२ गुरड बृहस्पति का चरित्र-चित्रण कीजिए।

प्रश्न.३ नहुष काव्यमें व्यकत उदेश्य की चर्चा करें। (१४)

अथवा

प्रश्न.३ राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्तजी का परिचय लिखें।

प्रश्न.४ खंडकाव्य के लक्षणों के आधार पर नहुष खंडकाव्य की चर्चा करें। (१४)

अथवा

प्रश्न.४ नहुस काव्यमें वर्णित प्रकृति चित्रण लिखें।

प्रश्न.५ निम्नांकित संदर्भो में से किन्हीं दो संदर्भो की विस्तृत चर्चा करें। (१४)

१. देव सदा देव, तथा दनुज दनुज हैं
जा सकतें किंतु-दोनों ओर ही मनुज हैं।
रह सकती हुं सावधान दानवों से में
शक्ति ही रहती हुं हाय। मानवों से मैं॥

२. मानता हुं और, सब हार नहीं मानता
अपनी अगति नहीं आज भी मैं जानत।
आज मेरा भुक्तो जगित हो गया स्वर्ग भी
लेके दिखा दुंगा फल मैं ही अपवर्ग भी॥

३. जिबने कराह कंटको में है,
जिनका जीवन-सुमन खिला,
गौख-गंद्य उन्हें उतना ही,
यत्र-तत्र- सर्वत्र-मिला।"

****